2017

M. A. 3rd Semester

HINDI

PAPER–301

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर सविस्तार लिखिए : 12×2

   क) 'गोदान' किसान जीवन का महाकाव्य है ।'—क्यों ? तर्क संगत उत्तर लिखिए ।

   ख) 'मैला आँचल' के भाषा शिल्प पर विचार कीजिए ।

   ग) 'रेहन पर रग्घू' की वस्तु-संवेदना पर प्रकाश डालिए ।

   घ) जादुई यथार्थ के आधार पर 'पिता' कहानी का मूल्यांकन कीजिए ।

   ङ) कहानी-कला के आधार पर 'उसने कहा था' की समीक्षा कीजिए ।

2. निम्नलिखित किन्हीं **दो** गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

i) यह है आजादी! पहले विदेशी सरकार लोगों को कैद करती थी कि वे आजादी के लिए लड़ना चाहते थे; अब अपने ही भाई अपनों को तनहाई कैद दे रहे हैं क्योंकि वे आजादी के लिए ही लड़ाई रोकना चाहते हैं ।

ii) मेरा चित्त कहता है कि कहीं-न-कहीं मनुष्य समाज ने अवश्य गलती की है । यह उन्मत्त उत्सव, ये रसिक गान, ये शृंगक-सीत्कार, ये अबर गुलाल, ये चर्चरी और पटह मनुष्य की किसी मानसिक दुर्बलता को छिपाने के लिए हैं, ये दुःख भुलानेवाली मदिरा हैं, ये हमारी मानसिक दुर्बलता के पर्दे हैं ।

iii) उसे बार-बार खयाल आ रहा था कि वह किन अरमानों के साथ गाँव आया था । उसका जी चाहा कि वह वापस, चला जाय... गाँव से इतनी दूर कि वापस आने का ख्याल बस तड़प बनकर रह जाय ।

iv) जो जोतेगा, जमीन उसकी है । जो जितना जोत सको, जिसकी जमीन मिले जोतो, बोओ, काटो । अब बाँटने का भी झंझट नहीं ।... धरती माता का प्यार झूठा नहीं । फिर खेतों में जिन्दगी झूमेगी । आसाढ़ के बादल बजा रहे हैं मादल, बिजली नाच रही हैं । तुम भी नाचो ।

—o—